INDIAN PERFUMES

Perfume basically refers to a scented mixture of essential oils, fixatives and solvents to provide an agreeable scent to the body, food, objects and living spaces. Etymologically speaking, the word "perfume" is derived from the Latin word, "*per fumus*" meaning through *smoke*. Perfume and perfumery finds prominence in the Indus Valley Civilization, which existed from 3300 BCE to 1300 BCE. One of the earliest references to distillation of perfume was in the Ayurvedic text *Charaka Samhita* and *Sushruta Samhita* and deals mainly with the manufacture of perfumes. It was also understood that perfumes attracted angels and warded off darkness or evil spirits. Saints and spiritual aspirants would adorn themselves with the finest scents to assist them in their journey towards enlightenment. Some of the prominent lovers of Indian perfumes, also called **ittar**, were the Mughal nobles of India.

AGARWOOD perfume, also known as Oud, has a bitter sweet, woody and balsamic nuance. It is reputed to be one of the most expensive perfumes in the world. There are many names for the resinous, fragrant heartwood produced primarily by trees in the genus Aquilaria. Oil extracted from agarwood is used as a high-quality perfume.The Indian sub-continent was the main source of agarwood for many centuries. Today Agarwood plantations exist in a number of countries, including India, Bangladesh, Bhutan, Thailand, Vietnam etc. The best quality oil comes out from the first distillation process and after this, the wood undergoes the second distillation. Hence, it is graded according to the number of times it is cooked. With its warm, smoky balsamic fragrance it is sure to calm, inspire and brighten one's mood.

ORANGE BLOSSOM is aromatic, sweet and elegant and is a highly coveted scent in perfumes. It is traditionally associated with good fortune and is often favoured by brides on their wedding day. It is the fragrant flower of *Citrus sinensis* (orange tree) and is one of the most popular flowers in perfume making. It came to India originally through Chinese travellers and traders and later through the Portuguese and Dutch. Today India, Brazil and China are the largest cultivators of the orange tree. Orange blossom essence is an important component in the making of perfume. The fragrant flower is used by many top perfumers and is usually combined with floral bouquets and oriental scents.

Department of Posts is pleased to release a set of two fragrant Commemorative Postage Stamps each on Agarwood and Orange Blossom on the theme Indian Perfumes.

Credits:

Stamps/Miniature Sheet/		
First Day Cover/Information Brochure	:	**Smt. Bharati Mirchandani**
Cancellation Cachet	:	**Smt. Nenu Gupta**
Text	:	**Shri Pallab Bose**

भारतीय इत्र

इत्र, वास्तव में तैलीय, रासायनिक और विलायक पदार्थों का सुगंधित मिश्रण है, जो हमारी काया, खाद्य पदार्थों, अन्य वस्तुओं और घरों आदि में खुशबू बिखेरने के लिए इस्तेमाल में लाया जाता है। शब्द संरचना के दृष्टिकोण से 'इत्र' यानी 'परफ्यूम' शब्द लातिनी भाषा के मूल शब्द *'पर फ्युमस'* से उद्धृत है, जिसका अर्थ है धुंए के जरिए। सिंधु घाटी की सभ्यता, जो 3300 ई.पू. से 1300 ई.पू. तक वजूद में रही, में इत्र और इत्र बनाने के कारखानों का स्थान प्रमुख था। इत्र यानी सुगंध की स्त्रावण प्रक्रिया (डिस्टिलेशन) का प्रारंभिक उल्लेख आयुर्वेद के प्रसिद्ध ग्रंथ *चरक संहिता* और *सुश्रुत संहिता* में मिलता है, जिनमें इत्रों को तैयार करने की विस्तृत प्रक्रिया समझाई गई है। इत्रों के बारे में यह भी मान्यता रही है कि ये पदार्थ फरिश्तों को आकर्षित करते हैं ओर तम यानी दुरात्माओं को दूर रखते हैं। संत पुरुष और आध्यात्मिक मार्ग के अनुगामी, ज्ञानोद्दीप्ति के अपने मार्ग को सहज सुलभ बनाने के दृष्टिकोण से अक्सर बेहतरीन इत्र/सुगंध से खुद को सराबोर रखते थे। भारतीय इत्रों के प्रमुख प्रेमियों में हिंदुस्तान के मुगल शासकों का नाम सर्वोपरि है।

ऊद की खुशबू तीखी मीठी, सुगंधित काष्ठ की परत और गहरी नजाकत से सजी होती है। ऊद इत्र दुनिया के सबसे कीमती इत्रों में गिना जाता है। 'एक्विलेरिया' जाति के वृक्षों के रेजिन युक्त काष्ठ से उद्धृत खुशबू को कई नामों से जाना जाता है। इस काष्ठ के तेल का इस्तेमाल बेहतरीन किस्म के इत्र तैयार करने के लिए किया जाता है। कई शताब्दियों तक भारतीय उप महाद्वीप 'अगरवुड' की इस खुशबूदार काष्ठ का मुख्य स्रोत रहा। वर्तमान में ये वृक्ष भारत सहित बांग्लादेश, भूटान, थाइलैंड, वियतनाम आदि जैसे देशों में भी खूब पाए जाते हैं। अगरवुड का बेहतरीन किस्म का तेल इसकी पहली स्त्रावण प्रक्रिया में प्राप्त हो जाता है और इसके बाद इस काष्ठ को द्वितीय स्त्रावण प्रक्रिया से भी गुजारा जाता है। अतः, इस तेल को स्त्रावण प्रक्रियाओं की संख्या के आधार पर ग्रेड प्रदान किया जाता है। ऊद की नरम और गहरी खुशबू मन को प्रफुल्लित एवं शांत कर जाती है।

ऑरेंज ब्लॉसम यानी नारंगी फूल की खुशबू काफी मीठी और मनमोहक होती है और इत्रों की दुनिया में इसका अपना ही महत्व है। पारंपरिक रूप से इसे सौभाग्य का सूचक माना गया है और विवाह के दिन दुल्हनें इसका बड़े शौक से इस्तेमाल करती हैं। नारंगी वृक्ष (सिट्रस साइनेंसिस) के खुशबूदार फूल इत्र उत्पादन के क्षेत्र में काफी लोकप्रिय हैं। भारत में इस इत्र का आगमन पहले चीनी यात्रियों और व्यापारियों के जरिए और बाद में पुर्तगालियों और डच लोगों के माध्यम से हुआ। आज, भारत, ब्राजील और चीन में नारंगी वृक्षों को बड़े पैमाने पर उगाया जाता है। नारंगी फूल का अर्क, इत्र बनाने की प्रक्रिया का अत्यंत महत्वपूर्ण घटक है। इस खुशबूदार फूल का इस्तेमाल अनेक अग्रणी इत्र निर्माता करते हैं। नारंगी फूलों को विभिन्न प्रकार के अन्य खुशबूदार फूलों और ओरिएंटल यानी पूर्वी इत्रों के साथ मिलाकर मनमोहक इत्र तैयार किए जाते हैं।

डाक विभाग, भारतीय इत्र विषय पर ऊद और नारंगी फूल पर आधारित दो सुगंधित स्मारक डाक–टिकटों के दो सेट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार:-

डाक टिकट/मिनियेचर शीट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका : श्रीमती भारती मीरचंदानी

विरूपण मोहर : श्रीमती नीनू गुप्ता

मूलपाठ : श्री पल्लव बोस

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्य वर्ग	: 2500 पैसा (2), 2500 पैसा (2)
Denomination	: 2500p (2), 2500p (2)
मुद्रित डाक-टिकटें	: 8.0 लाख प्रत्येक
Stamps Printed	: 8.0 Lakh each
मुद्रित मिनियेचर शीट	: 2.0 लाख प्रत्येक
Miniature Sheets Printed	: 2.0 Lakh each
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

मूल्य: ₹ 5.00